→ Explanation of the Modern Theory of Rent

Von Wieser नामक अर्थशास्त्री उत्पत्ति के साधनों का वर्गीकरण दो भागों में किया है:

(1) पूर्णतया विशिष्ट साधन
(Perfectly Specific Factors).

(2) पूर्णतया अविशिष्ट साधन
(Perfectly Non-specific factors)।

जो साधन केवल एक ही प्रयोग में लगाये जा सकते हैं अथवा जिनका कोई वैकल्पिक प्रयोग नहीं होता, उन्हें पूर्णतया विशिष्ट साधन कहा जाता है।

इसके विपरीत, अनेक वैकल्पिक प्रयोग वाले उत्पत्ति के साधनों को पूर्णतया अविशिष्ट साधन कहा जाता है। पूर्णतया अविशिष्ट साधन पूर्णतया काल्पनिक होते हैं।

वास्तविकता में उत्पत्ति का कोई भी साधन न तो पूर्णतः विशिष्ट होता है और न ही पूर्णतः अविशिष्ट। उत्पत्ति साधन में विशिष्टता एवं अविशिष्टता दोनों प्रकार के गुण विद्यमान होते हैं। कोई भी

Scanned by CamScanner

साधन किसी समय विशेष में विशिष्ट हो सकता है तथा वही साधन दूसरी परिस्थिति में अविशिष्ट हो सकता है। उदाहरण के लिए, एक भूखण्ड जिसमें गेहूं की ~~फसल~~ फसल खड़ी है गेहूं के प्रयोग के लिए पूर्णतया विशिष्ट होगा क्योंकि उसका कोई वैकल्पिक प्रयोग उपलब्ध नहीं है किन्तु गेहूं को फसल कट जाने के बाद वही भूखण्ड पूर्णतया अविशिष्ट बन जायेगा क्योंकि उस खाली भूखण्ड को अब अनेक वैकल्पिक प्रयोगों में प्रयुक्त किया जा सकता है।

आधुनिक अर्थशास्त्रियों के लगान सिद्धान्त का आधार Von Wieser का उपर्युक्त विश्लेषण है। साधन की विशिष्टता लगान उत्पन्न करती है। एक साधन के पुरस्कार में उस सीमा तक लगान का अंश होता है जिस सीमा तक वह साधन विशिष्ट होता है। दूसरे शब्दों में, किसी साधन को लगान इस आधार पर प्राप्त होता है कि उसमें विशिष्टता का कितना अंश है। साधन में विशिष्टता

Date:

का अंश जितना अधिक होगा, उतना ही अधिक लगाव उत्पन्न होगा।

" Rent is a payment in excess of transfer earnings."

– Stonier & Hague.

To be Continue.

Thank you.

Scanned by CamScanner